सर्पोटिव सुपरविजन एवं मॉनिटरिंग रिपोर्ट

मण्डल का नाम — अलीगढ़।
भ्रमण अधिकारी का नाम — 1. डी0 सी0 त्रिपाठी, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक ।
2. श्री भगवान दास, रीजनल आशा कॉर्डिनेटर, आगरा।
भ्रमण जनपद का नाम — अलीगढ़ एवं हाथरस।
भ्रमण दिनांक — 24–25 अक्टूबर, 2016
भ्रमण स्थान — सामु0 स्वा0 केन्द्र महौ, हसायन एवं जिला महिला चिकित्सालय–हाथरस सामु0स्वा0 केन्द्र इग्लास, गौण्डा एवं जिला महिला चकित्सालय–अलीगढ़।
भ्रमण का उद्देश्य — मातृत्व सप्ताह एवं एच0आर0पी0 दिवसो की सर्पोटिव सुपरविजन एवं मानिटरिंग हेतु।

मिशन निदेशक महादेय के पत्र संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0 एण्ड ई0/2016–17/04/62912–2 दिनांक 17.10.2016 के अनुपालन क्रम में जनपद अलीगढ़ एवं हाथरस का भ्रमण किया गया। श्री भगवान दास, रीजनल आशा कॉर्डिनेटर, द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया कि दिनांक 24.10.2016 को मिशन निदेशक महोदय का भ्रमण कार्यक्रम जनपद फिरोजाबाद में है एवं उनको प्रस्तावित सी0आर0एम0 विजिट के कारण जनपद फिरोजावाद जाना है अतः उनके द्वारा दिनांक 25.10.2016 को जनपद अलीगढ़ में एच0आर0पी0 मॉनिटरिंग का कार्य सम्पादित किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महौ दिनांक 24.10.2016

भ्रमण के समय डा0 एस0पी0 सिहं, प्रभारी अधीक्षक, डा0 नीलम, महिला चिकित्सक, स्टाफ नर्स सुश्री कौशल एवं लैब टैक्निशियन श्री उदयवीर उपस्थित थे एवं एच0आर0पी0 से सम्बंधित गतिविधियों का सम्पादन किया जा रहा था। उक्त दिवस पर चिकित्सा अधिकारी एवं सम्बंधित कर्मियों द्वारा निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध थीः–

1. टीकाकरण सेवाएं (टी0टी0)
2. बी0पी0 मशीन
3. यूरिन की जांच
4. आयरन सुकरोज इंजेक्शन
5. वजन मापने की मशीन
6. ब्लड शुगर
7. आयरन, कैल्शियम एवं एलबेन्डाजॉल की गोलियॉ
8. संदर्भन हेतु 102 एम्बुलन्स की उपलब्धता।

- चिन्हित् महिलाओ की संख्या जिनकी मातृत्व सप्ताह के दौरान हुई जॉचे – 2295
- एच0आर0पी0 हेतु चिन्हित् गर्भवती महिलाओं की संख्या – 243 (10.6 प्रतिशत)
- गर्भवती महिलाएं जिनके एम0सी0टी0एस0 नम्बर उपलब्ध है – 1380 (60 प्रतिशत)
- भ्रमण के समय तक चिन्हित् गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य केन्द्र पर सेवा हेतु आयी – 34
- सीवियर एनीमिया हीमोग्लाबिन < 7 ग्राम = 2
- जांच में गर्भवती महिलाओं के यूरिन में शुगर – 2
- आयरन सुकरोज चड़ाया गया – 0

1. चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि जिन 2 गर्भवती महिलाओं का हीमोग्लोबीन 7 ग्राम से कम है उनको 102 एम्बुलेन्स के द्वारा जिला महिला चिकित्सालय भेजने के लिए संदर्भित करें।
2. एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर को निर्देशित किया गया कि लगभग 40 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के पास एम0सी0टी0एस0 नम्बर नही है अतः एक सप्ताह के अन्दर लम्भित कार्य पूर्ण कराये।
3. समीक्षा में पाया गया कि 54 प्रतिशत पंजीकृत गर्भवती माताओं के बैंक में खाते नही खुले है अतः अधीक्षक को बैंक के साथ समन्वय करते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हसायन दिनांक 24.10.2016

भ्रमण के समय डा0 आर0 के0 गुप्ता, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी अधीक्षक डा0 नवीन कुमार, डा0 गणेश सागर, महिला चिकित्सक एवं डी0सी0पी0एम0 श्री धर्मेद्र कुमार उपस्थित थे। प्रभारी अधीक्षक द्वारा एच0आर0पी0 के जांच हेतु समस्त गतिविधियों का नियोजन अच्छी प्रकार से किया गया था। उक्त दिवस पर चिकित्सा अधिकारी एवं सम्बंधित कर्मियों द्वारा निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध थीः–

1. टीकाकरण सेवाएं (टी0टी0)
2. बी0पी0 मशीन
3. यूरिन की जांच
4. संदर्भन हेतु 102 एम्बुलन्स की उपलब्धता।
5. वजन मापने की मशीन
6. ब्लड शुगर
7. आयरन, कैल्शियम एवं एलबेन्डाजॉल की गोलियॉ

- चिन्हित् महिलाओ की संख्या जिनकी मातृत्व सप्ताह के दौरान हुई जॉचे – 2147
- एच0आर0पी0 हेतु चिन्हित् गर्भवती महिलाओं की संख्या – 213 (9.0 प्रतिशत)
- गर्भवती महिलाएं जिनके एम0सी0टी0एस0 नम्बर उपलब्ध है – 706 (33 प्रतिशत)
- भ्रमण के समय तक चिन्हित् गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य केन्द्र पर सेवा हेतु आयी – 52
- सीवियर एनीमिया हीमोग्लाबिन < 7 ग्राम = 2
- जांच में गर्भवती महिलाओं के यूरिन में शुगर – 2
- आयरन सुकरोज चड़ाया गया – 0

1. चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये गये कि 7 ग्राम से कम हीमोग्लोबीन वाली महिलाओं को 102 एम्बुलेन्स के द्वारा जिला महिला चिकित्सालय हाथरस भेजने के लिए संदर्भित करें।
2. एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर को निर्देशित किया गया कि लगभग 33 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के पास एम0सी0टी0एस0 नम्बर है अतः एक सप्ताह के अन्दर लम्भित कार्य पूर्ण कराये।
3. आयरन सुकरोज इन्जेशन की उपलब्धता सी0एस0सी0 पर नही पाई गई।

जिला महिला चिकित्सालय हाथरस दिनांक 24.10.2016

डा0 कंचन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका एच0आर0पी0 दिवस हेतु तैयारी की गई थी एवं निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध थी :–

1. टीकाकरण सेवाएं (टी0टी0)
2. बी0पी0 मशीन
3. यूरिन की जांच
4. संदर्भन हेतु 102 एम्बुलेन्स की उपलब्धता।
5. वजन मापने की मशीन
6. ब्लड शुगर
7. आयरन, कैल्शियम एवं एलबेन्डाजॉल की गोलियॉ

- ब्लॉक द्वारा संदर्भित तथा स्वयं से आई गर्भवती महिलाओ की संख्या जिनकी जॉच की गई – 107
- गर्भवती महिलाओ की संख्या जिनमे जटिलता पाई गई – 10
- सीवियर एनीमिया हीमोग्लाबिन < 7 ग्राम = 2
- जांच में गर्भवती महिलाओं के यूरिन में शुगर – 0
- आयरन सुकरोज चड़ाया गया – 2
- पूर्व से गर्भावस्था की जटिलता – 7

- 7 ग्राम हीमोग्लोबिन से कम सन्दर्भित 2 गर्भवती महिलाओ को आयरन सुकरोज का इन्जेशन लगाया।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा एक महिला चिकित्सक की ड्यूटी एच0आर0पी0 कार्य हेतु लगाई गयी थी तथा कार्यक्रम का अनुश्रवण अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संतोष कुमार द्वारा किया गया था।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैर एवं लोधा अलीगढ़ दिनांक 25.10.2016</u>

- श्री भगवान दास, रीजनल आशा कॉर्डिनेटर, आगरा द्वारा सी0एस0सी0 खैर एवं लोधा का भ्रमण किया गया था उनके द्वारा भरा गया प्रारुप–12 संलग्न है।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इग्लास अलीगढ़ दिनांक 25.10.2016</u>

भ्रमण के समय डा0 खान चन्द, चिकित्सा अधीक्षक, डा0 हुमा, एम0बी0बी0एस0, महिला चिकित्सक, स्टाफ नर्स श्रीमती पुनम एवं लैब टैक्निशियन श्री आर0पी0 सिंह उपस्थित थे। स्वास्थ्य केन्द्र पर 14–21 तक मातृत्व सप्ताह सम्बंधी समस्त कार्य सम्पादित किये गये थे लेकिन दिनांक 24–25 अक्टूबर को प्रस्तावित एच0आर0पी0 दिवसो से सम्बंधित गतिविधियों को सम्पादित कराने हेतु कार्य का आवंठन चिकित्सा अधीक्षक द्वारा नही किया गया था तथा उनसे वार्ता करने पर अवगत कराया गया कि पिछले सप्ताह सामुदायिक केन्द्र का कार्यभार ग्रहण किया है। अतः चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठकर निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गईः–

1. टीकाकरण सेवाएं (टी0टी0)
2. बी0पी0 मशीन
3. यूरिन की जांच
4. आयरन सुकरोज इंजेक्शन
5. वजन मापने की मशीन
6. ब्लड शुगर
7. आयरन, कैल्शियम एवं एलबेन्डाजॉल की गोलियॉ
8. संदर्भन हेतु 102 एम्बुलेन्स की उपलब्धता।

- केन्द्र पर आई0ई0सी0 कमी पाई गई तथा एच0आर0पी0 दिवस का बैनर नही लगा था।
- महिला चिकित्सक द्वारा गर्भवती माताओं की जांच की जा रही थी लेकिन गोपनीयता बनाये रखने हेतु कोई भी व्यवस्था नही की गई थी।
- महिला चिकित्सक के पास आवश्यक कंजुमेब्लिस एवं ग्लब्स नही थे जिसके लिए चिकित्सा अधीक्षक को तत्काल उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये गये। 2 एच0आर0पी0 सेवा लेने हेतु जिला महिला चिकित्सालय अलीगढ़ को संदर्भित किया गया था।
- लैब टैक्नीशन द्वारा भ्रमण समय तक 16 गर्भवती माताओं की जांच की गई थी जिसका सत्यापन उनके अभिलेखों से किया गया।
- मातृत्व सप्ताह के दौरान कुल 1657 गर्भवती माताओं का चिन्हीकरण किया गया तथा उनका बी0पी0 एवं वनज भी लिया गया।
- गर्भवती माताओं की खुन की जांच में 63 महिलाओं का हीमोग्लाबिन 7 ग्राम से कम पाया गया।
- चिकित्सा अधीक्षक को अवगत कराया गया कि संदर्भन हेतु 102 एम्बुलेन्स का उपयोग किया जाये।

<u>जिला महिला चिकित्सालय अलीगढ़ दिनांक 25.10.2016</u>

भ्रमण के समय डा0 गीता प्रधान, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं डी0पी0एम0 श्री महेन्द्र कुमार उपस्थित थे तथा उनके द्वारा एच0आर0पी0 दिवस से सम्बंधित समस्त व्यवस्थाएं की गई थी। भ्रमण समय तक 38 एच0आर0पी0 महिलाओं की जांच की गई थी जिसमे से 4 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासांउण्ड भी किया गया।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोण्डा अलीगढ़ दिनांक 25.10.2016</u>

भ्रमण के समय डा0 फहाद, चिकित्सा अधिकारी, आयुष महिला चिकित्सक डा0 नौसावा, स्टाफ नर्स श्रीमती ममता एवं डी0पी0एम0 श्री महेन्द्र कुमार उपस्थित थे। स्वास्थ्य केन्द्र पर 14–21 तक मातृत्व सप्ताह सम्बंधी समस्त कार्य सम्पादित किये गये थे लेकिन दिनांक 24–25 अक्टूबर को प्रस्तावित एच0आर0पी0 दिवसो से सम्बंधित गतिविधियों को सम्पादित कराने हेतु कार्य का आवंठन चिकित्सा अधीक्षक द्वारा नही किया गया था तथा अभिलेखो का रखरखाव ठीक प्रकार से नही किया जा रहा था। निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की सुनिश्चित कराई गईः–

1. टीकाकरण सेवाएं (टी0टी0)
2. बी0पी0 मशीन
3. यूरिन की जांच
4. आयरन सुकरोज इंजेक्शन
5. वजन मापने की मशीन
6. ब्लड शुगर
7. आयरन, कैल्शियम एवं एलबेन्डाजॉल की गोलियॉ
8. संदर्भन हेतु 102 एम्बुलेन्स की उपलब्धता।

- केन्द्र पर आई0ई0सी0 कमी पाई गई तथा एच0आर0पी0 दिवस का बैनर नही लगा था।
- आयुष महिला चिकित्सक द्वारा गर्भवती माताओं की जांच की जा रही थी लेकिन महिला चिकित्सक के पास आवश्यक कंजुमेब्लिस एवं ग्लब्स नही थे जिसके लिए तत्काल उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये गये।
- मातृत्व सप्ताह के दौरान कुल 156 एच0आर0पी0 माताओं का चिन्हीकरण किया गया तथा भ्रमण समय 36 एच0आर0पी0 को देखा जा चुका था तथा शेष 120 एच0आर0पी0 की जांच अगले 2 दिन में पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

भ्रमण आख्या अनुमोदनार्थ प्रेषित।

(डी0 सी0 त्रिपाठी)
डिवी0 परियोजना प्रबन्धक
(आर0 एण्ड ई0 एण्ड के0एम0)
सिफ्सा।

प्रतिलिपिः

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश को अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. महाप्रबन्धक, एम0 एण्ड ई0, एस0पी0एम0यू0 को पत्र संख्या 6291–2 दिनांक 17.10.2016 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।